सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 281 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 18 नवम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

अपनी भावनाओं को व्यक्त करना संबंधों में कड़वाहट ला सकता है लेकिन न व्यक्त करना खुद संबंध को ही आघात पहुंचा देगा।

-महात्रिया रा

यूपी से करनी है कमल की... 8 | महिला वोट बैंक मजबूत करने... 3 | भाजपा के रंग और नाम बदलने के... 7

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर रात भर चली सपा की रथ यात्रा, उमड़ा जनसैलाब

आज तड़के लखनऊ पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश, जोरदार स्वागत

» विभिन्न जिलों में अखिलेश को सुनने के लिए सभाओं में उमड़ी भीड़

» कहा, प्रदेश में सपा की सरकार बनने तक जारी रहेगी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की आहट के साथ प्रदेश में सियासी पारा तेजी से चढ़ रहा है। भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। इसी कड़ी में उन्होंने पूर्वांचल के कई जिलों में रथयात्रा की और जनता को संबोधित किया। सपा प्रमुख का रथ रात भर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चलता रहा। समाजवादी विजय रथ यात्रा आज लखनऊ पहुंची, जहां लोगों ने अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह यात्रा तभी रूकेगी जब प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को लेकर सपा और भाजपा में मचे घमासान के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को गाजीपुर से विजय रथ यात्रा को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कई जगह सभाएं कीं और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर देगी।

पार्टी नेताओं को अखिलेश ने पिलाई चाय

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा आज तड़के बाराबंकी पहुंची। इस दौरान पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, एमएलसी राजेश यादव, पूर्व मंत्री राजीव कुमार सिंह समेत कई नेताओं ने अखिलेश यादव का स्वागत किया। इस मौके पर बस की छत पर चढ़कर अखिलेश यादव ने तमाम कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को चाय भी पिलाई।

गाजीपुर से शुरू हुई अखिलेश की समाजवादी विजय रथ यात्रा आज तड़के करीब चार बजे लखनऊ में खत्म हुई। अखिलेश ने यह यात्रा 341 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए पूरी की। इस पूरी यात्रा के दौरान लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया और देर रात तक उनका भाषण सुनने को जुटे रहे।

लखनऊ पहुंचने पर अखिलेश ने कहा कि लगभग 4 बजे यह यात्रा खत्म हो रही है। मैं समझता हूं समाजवादियों की यह अब तक की सबसे लंबी यात्रा रही है लेकिन यह यात्रा यहीं खत्म नहीं होगी। यात्रा चलती रहेगी और यात्रा तब खत्म होगी जब साइकिल की सरकार लखनऊ में होगी।

जनता का मिला अभूतपूर्व समर्थनः गोप

पूर्व मंत्री और सपा के वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह गोप ने कहा कि ये ऐतिहासिक पल है। समाजवादी विजय रथ यात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला है। यह जन समर्थन 2022 के विधान सभा चुनाव में इतिहास रचेगा। प्रदेश की जनता भाजपा की कुनीतियों से आक्रोशित है और आने वाले चुनाव में भाजपा का सफाया तय है। प्रदेश में एक बार फिर सपा की सरकार बनेगी और यूपी विकास की राह पर बढ़ेगा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

बाल यौन शोषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा

स्किन-टू-स्किन टच के बिना भी लागू होगा पॉक्सो एक्ट

» हाईकोर्ट के फैसले को पलटा, कहा ऐसे तो खत्म हो जाएगा पॉक्सो का मकसद

» बच्चों की रक्षा करना है एक्ट का उद्देश्य, आरोपी को सुनाई तीन साल की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बांबे हाईकोर्ट के उस फैसले को पलटते हुए बड़ा फैसला सुनाया है जिसमें कहा गया था कि यौन उत्पीड़न के लिए स्किन-टू- स्किन टच होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पॉक्सो एक्ट में स्किन-टू स्किन टच जरूरी नहीं है। यह नहीं कहा जा सकता है कि यौन उत्पीड़न की मंशा से कपड़े के ऊपर से बच्चे के संवेदनशील अंगों को छूना यौन शोषण नहीं है अगर ऐसा कहा जाएगा तो बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाए गए पॉक्सो एक्ट खत्म हो जाएगा। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को तीन साल की सजा भी सुनाई।

तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया फैसला

जस्टिस यूयू ललित, जस्टिस रवींद्र भट्ट और जस्टिस बेला त्रिवेदी की तीन-सदस्यीय पीठ ने यह फैसला सुनाया और कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि कपड़े के ऊपर से बच्चे के संवेदनशील अंगों का स्पर्श यौन शोषण नहीं है। ऐसी परिभाषा बच्चों को शोषण से बचाने के लिए बने पॉक्सो एक्ट के मकसद को खत्म कर देगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने यौन उत्पीड़न के एक आरोपी को यह टिप्पणी करते हुए बरी कर दिया था कि अगर आरोपी और पीड़िता के बीच कोई सीधा स्किन-टू-स्किन टच नहीं है तो पॉक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न का कोई अपराध नहीं बनता है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने फैसलों पर रोक लगाते हुए महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया था और अटॉर्नी जनरल को फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हमारी सेना में महिलाओं का योगदान बढ़ा : राजनाथ सिंह

» रक्षा मंत्री ने झांसी में राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व का किया शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई के जन्मोत्सव का झांसी जलसा शुरू हो गया है। इस तीन दिवसीय राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व और सेना की शस्त्र प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना में महिलाओं के लिए दरवाजे खोले जा रहे हैं। हमारी सरकार ने सेना के तीनों अंगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है। सैनिक स्कूलों में बच्चों का को-एडमिशन भी दिया जा रहा है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद महिलाओं को राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर नहीं मिला लेकिन अब स्थिति तेजी से बदल रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से हमारी सेना में महिलाओं का योगदान बढ़ रहा है। पुणे में मौजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान नेशनल डिफेंस एकेडमी में महिलाओं के लिए दरवाजे खोले गए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों में महिलाएं सेना में स्थायी कमीशन की मांग कर रही थीं। सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया गया है। अब योग्य और मेरिट के आधार पर महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन दिए जाने की व्यवस्था बनी है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब देश 65 से 70 फीसदी रक्षा साम्रगी आयात होती थी। आज तस्वीर बदल गई है। हमने तय किया है, चाहे स्थिति कैसी भी हो, 64 फीसदी तक दुनिया के दूसरे देशों से आयात नहीं करेंगे। भारत की धरती पर बने रक्षा साम्रगियों का इस्तेमाल होगा।

राष्ट्ररक्षा हम सबका मूल धर्म : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि झांसी की जब चर्चा होती है तो भारत के शौर्य, पराक्रम, वीर और वीरांगनाओं की धरती की रूप में झांसी की पहचान होती है। राष्ट्ररक्षा हम सबका मूल धर्म है। राष्ट्रधर्म ही हमारा धर्म है। इस धर्म का पालन करके ही हम न केवल वर्तमान को बल्कि आने वाले भविष्य को भी सुरक्षित रख सकते हैं। रानी लक्ष्मीबाई का अमृत वाक्य मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी सभी भारतीयों के मन को मातृभूमि के प्रति समर्पण का भाव पैदा करता है। झांसी की इस वीर भूमि पर आयोजित यह राष्ट्ररक्षा समर्पण पर्व देश की रक्षा के प्रति हमारे संकल्प और समर्पण के साथ-साथ भारतवासियों के शौर्य, पराक्रम, त्याग और बलिदान की अद्भुत परंपरा का उत्सव है।

राजनीति में अपने अधिकारों की तलाश करें : प्रियंका गांधी

» चुनाव में लड़ने वाली महिलाएं राजनीति और समाज में बदलाव लाएंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की ओर से राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्हें खुद एक महिला होने के नाते इस तरह के बयान नहीं देना चाहिए। दरअसल, स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी की ओर से यूपी विधानसभा चुनाव से पहले लड़की हूं, लड़ सकती हूं संवाद कार्यक्रम पर निशाना साधते हुए कहा था कि घर पर लड़का है पर लड़ नहीं सकता।

प्रियंका ने बुंदेलखंड के दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को जवाब देते हुए कहा कि यह महिला होने के नाते, ऐसा बयान गलत है। इसके बजाय, उन्हें यह कहकर महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए कि उन्हें अपने लिए लड़ना चाहिए। इस बीच, प्रियंका गांधी ने महिलाओं से आगामी यूपी चुनावों में कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने की अपील भी की। प्रियंका ने लोगों से पूछा कि ऐसी सरकार की मदद क्यों की जाए जो उनके लिए कुछ नहीं कर रही है। प्रियंका ने महिलाओं से राजनीति में भाग लेने, अपनी शक्ति को पहचानने और समाज में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि मैं यहां आपसे बात करने आई हूं क्योंकि आपको अपना मन बनाना है। आप आधी आबादी हैं, आवाज उठाएं, एक साथ आए और राजनीति में अपने अधिकारों की तलाश करें। प्रियंका गांधी ने आगे कहा, अगर कोई महिला चुनाव लड़ रही है, तो अपनी आंखें बंद करें और मतदान के समय बिना कुछ सोचे-समझे उसे वोट दें क्योंकि वह आपके लिए खड़ी रहेगी और आपके संघर्षों में साथ रहेगी। यूपी विधानसभा चुनाव में महिलाओं के 40 फीसदी टिटक देने के अपनी पार्टी के संकल्प का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा राजनीति में आपकी भागीदारी तय है, कांग्रेस ने जो पहल की है, उसे पलटा नहीं जा सकता है, चुनाव में लड़ने वाली महिलाएं राजनीति और समाज में बदलाव लाएंगी।

यूपी में लोकतंत्र एवं कानून का राज : सिद्धार्थनाथ सिंह

» उत्तर प्रदेश के छोटे-छोटे उद्यमियों के लिए एक जनपद एक उत्पाद खोलेगा विश्व बाजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) पवेलियन में लगाए गए उत्तर प्रदेश के हस्त निर्मित उत्पादों के स्टाल्स का अवलोकन किया एवं कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों से बात की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में योग्यता एवं पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को 4.5 लाख सरकारी नौकरियां दी गई है।

उत्तर प्रदेश पिछले पांच वर्ष में योगीजी के मार्गदर्शन एवं मोदीजी के विजन ने प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का प्रयास किया है, जिसका स्वरूप यहां देखा भी जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र एवं कानून का राज चल रहा है। सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर पदेश सरकार राज्य के छोटे-छोटे उद्यमियों की आमदनी बढ़ाने और उनके उत्पादों के विश्व बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है ओडीओपी इस दिशा में महत्तवपूर्ण कड़ी है।

सब कुछ बेचने पर तुले हैं दो गुजराती : राजभर

» 2022 के चुनाव में जनता देगी भाजपा को जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 75 साल में इस देश में तमाम ऐसी जातियां हैं जो आज तक अपने हक-अधिकार से वंछित हैं चाहे वो शिक्षा, रोजगार या स्वास्थ्य हो और उनको अधिकार दिलाने के लिए हमसे भारतीय जनता पार्टी ने झूठ बोला। हमारा वोट लिया और हमसे वोट लेकर के सरकार भी बना लिया। और सरकार बनने के बाद यूज एंड थ्रो होता है मतलब उपयोग कर लीजिए और छोड़ दीजिए।

भाजपा यही करती है जब चुनाव सिर पर आता है तो झूठे वादे कर जनता को बरगला लेती है। चुनाव बाद जनता के सिर पर महंगाई थोप देती है। इसलिए भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। उन्होंने कहा अनुप्रिया पटेल को लोकसभा 2019 में दो साल के बाद चुनावी झुनझुना थमा दिया केंद्रीय मंत्री बनाकर ताकि उनका वोट बैंक हासिल कर सकें। ओमप्रकाश राजभर ने कहा आज पूरे देश में दो गुजरातियों का कब्जा हो गया है। गुजराती सब कुछ बेचने पर तुले हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बारे में कहा कि भाजपा के लोगों को झूठ बोलने की ट्रेनिंग दी जाती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस को टक्कर देगी आम आदमी पार्टी : सिसौदिया

» चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए भाजपा व कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आम आदमी पार्टी (आप) ने पहाड़ पर चुनावी अभियान की शुरुआत उत्तरकाशी से की। यहां आयोजित जनसभा में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि चुनाव अभियान की आधार शिला उत्तरकाशी में रखी जा रही है और नींव का पत्थर अजय कोठियाल के नाम से रखा गया है। जनसभा में मनीष सिसोदिया ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए यहां के लोगों ने खून पसीना बहाया, लेकिन राज्य बनने के बाद वोट गलत जगह दिया, लेकिन उनके पास विकल्प नहीं था लेकिन अब आम आदमी पार्टी एक मजबूत विकल्प है।

उत्तराखंड के जहाज को डुबा रहे हैं भाजपा और कांग्रेस

सिसोदिया ने कहा कि जब कांग्रेस व भाजपा वाले वोट मांगने आएं तो उनसे यह सवाल जरूर पूछना कि 21 सालों से उत्तराखंड की जनता से छलावा क्यों किया। दिल्ली में सरकार में आते ही आप ने शिक्षकों का वेतन बढ़ाया, लॉकडाउन में लोगों को राहत दी और रोजगार दिया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 5 हजार से 10 हजार रुपये किया। लोगों के लिए मोहल्ला क्लीनिक भी खोले गए। कर्नल अजय कोठियाल (सेनि) ने कहा कि उन्होंने लीडरशिप फौज से सीखी है। विपरीत परिस्थितियों में काम करने का जज्बा फौज की वर्दी ने उन्हें सिखाया है। कोठियाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आप पार्टी ने मेरी कर्मभूमि से ही मुझे चुनाव लड़ने की अनुमति दी है। कोठियाल ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस उत्तराखंड के जहाज को डुबा रहे हैं। युवाओं के चेहरों से मुस्कराहट गायब हो गई है।

सिसौदिया ने कहा कि कर्नल कोठियाल केवल गंगोत्री विधायक या उत्तराखंड के सीएम पद के लिए नहीं लड़ रहे हैं बल्कि उत्तराखंड के नवनिर्माण के लिए खड़े हैं। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस पूरे राज्य में एक सरकारी स्कूल बता दें जहां निजी स्कूलों को छोड़ कर बच्चे आ रहे हों। वहीं दिल्ली में निजी स्कूलों को छोड़ कर बच्चे सरकारी स्कूलों में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने दबदबा बनाया है। सिसोदिया ने कहा दिल्ली में मंहगी बिजली खरीदने के बावजूद वहां की 80 फीसदी जनता का बिल शून्य आता है।

महिला वोट बैंक मजबूत करने में जुटीं प्रियंका

» श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट में कांग्रेस महासचिव ने महिलाओं को दिलाई प्रतिज्ञा

» नाव पर बैठकर मंदाकिनी तट पर महिलाओं से किया संवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खोई सियासी जमीन को फिर से पाने के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी श्रीराम की तोपस्थली चित्रकूट पहुंचीं। वहां उन्होंने माथा टेककर यूपी चुनाव का शंखनाद किया। यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पुरानी सियासी विरासत दिलाने के लिए उतरीं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने इन दिनों महिलाओं से संवाद का अभियान शुरू किया है।

इसी कड़ी में पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह हवाई जहाज से दिल्ली से प्रयागराज हवाई अड्डे पर उतरीं और फिर कार से चित्रकूट पहुंचीं। नगर की सीमा पर तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर में कांग्रेसियों ने उनका स्वागत किया और अब मंदाकिनी तट पर नाव पर बैठकर महिलाओं से संवाद की शुरुआत की और कांग्रेस की नीतियां और उपलब्धियां बताईं। इसके साथ महिलाओं से परिवार की कुशलता समेत अन्य समस्याएं भी पूछीं। सुरक्षा के मद्देनजर फोर्स तैनात कर दिया गया है। कांग्रेस नेताओं के साथ संवाद करने वाली महिलाएं भी पहुंच गई हैं। प्रियंका गांधी के साथ प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी रहे। वहीं मंदाकिनी नदी के रामघाट पर संवाद कार्यक्रम के लिए सुबह से महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था। उनके पहुंचने के बाद कांग्रेसियों ने उनका स्वागत किया, यहां पर उन्होंने महिलाओं से बातचीत शुरू की। इससे पहले उन्होंने चित्रकूट के राजाधिराज स्वामी मत्तगजेंद्रनाथ के दरबार में पहुंच कर पूजा अर्चना की और फिर संवादस्थल पहुंची। उनके आने से पहले रामघाट पर भीड़ लगी थी।

महिलाएं ही लाएंगी यूपी में बदलाव

प्रियंका गांधी ने कहा कि महिलाओं को अपने हक की लड़ाई खुद ही लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार की अव्यवस्था है। अपने पीटने वालों से आप अपना हक मांगेंगे तो क्या हक मिलेगा मतलब इस भाजपा सरकार में आपको हक नहीं मिले आप डरिए मत ठहरिये मत हम आपके साथ हैं। मैं यहां आप सब से यह कहने आई हूं कि मन बना लीजिए आप आधी आबादी हैं। एकजुट होकर राजनीति में अपना हक मांगे। सरकार को नींद से जगाएं तभी आपको आपका हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं सक्षम होगी तो यूपी में बदलाव आना तय है।

नाव पर बैठक कर संवाद

रामघाट पर मंदाकिनी नदी में प्रियंका गांधी नाव पर सवार होकर पार पहुंची। यहां सीढ़ियों पर मौजूद महिलाओं ने उनका स्वागत किया तो उन्होंने भी हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। इसके बाद नाव पर सवार रहते हुए नदी तट की सीढ़ियों पर बैठीं महिलाओं से संवाद शुरू किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार के काम बताए और महिलाओं से समस्याएं भी पूछीं। यहां रामघाट पर महिलाओं के प्रवेश के लिए नए फुट ओवर ब्रिज और नयागांव रपटा पुल में गेट बनाए गए हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चुनावी रथ दौड़ाने की तैयारी में भाजपा

» 164 सीटों पर निगाहें, पश्चिम में खतरे को देखते हुए बढ़ाया फोकस

» भव्य आयोजन और एयर शो के जरिए जनता को संदेश देने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्ता में वापसी के लिए भाजपा कोई भी जोखिम लेने को तैयार नहीं है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की नाराजगी को देखते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा फोकस पूर्वांचल की ओर कर दिया है। यहां की नौ जिलों की 164 सीटों पर उसकी निगाहें जम गयी हैं। यही वजह है कि वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए पूरब को साधने में जुट गयी हैं। एक्सप्रेस-वे के भव्य उद्घाटन और एयर शो के जरिए भाजपा ने पूर्वांचल की जनता को सीधा संदेश देने की कोशिश की है।

पूरब से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री देने वाली भाजपा ने पहले देश और फिर प्रदेश की सत्ता हासिल की थी। अब 2022 के चुनाव में भाजपा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए अपना असर बढ़ाना चाहती है। दरअसल, यूपी के सिंहासन तक पहुंचने का रास्ता पूर्वांचल से होकर जाता है। पिछले तीन चुनावों से प्रदेश में बन रहीं पूर्ण बहुमत की सरकारें इसकी गवाह हैं। पहले बसपा, सपा और फिर भाजपा ने इसी रास्ते से सत्ता के ताले की चाबी हासिल की थी। यही कारण है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के खुलने के साथ पूरब का सियासी घमासान भी रफ्तार पकड़ चुका है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के साथ ही भाजपा ने सूबे की सत्ता में वापसी के लिए एक बड़ा दांव खेल दिया है। यह एक्सप्रेस-वे नौ जिलों से गुजरता है लेकिन सही मायने में इसका असर पूरब के तकरीबन 28 जिलों पर है। इन इलाकों में करीब 164 से अधिक विधान सभा सीटें हैं। वर्ष 2007 में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली बसपा को इस इलाके से तकरीबन सौ सीटें मिली थीं। वहीं 2012 में स्पष्ट बहुमत पाने वाले सपा की जीत का द्वार भी पूर्वी उत्तर प्रदेश ही बना था। सपा को तब करीब 110 सीटें इस इलाके से मिली थीं। अब 2017 के चुनावी नतीजों पर नजर डालें तो भाजपा ने इस सबको पीछे छोड़ते हुए पूर्वांचल की लगभग 115 सीटें हासिल की थीं। भाजपा पूर्वांचल के महत्व को बखूबी समझती है इसीलिए 2022 के चुनावी संग्राम के केंद्र में उसने पूरब को ही रखा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी पूर्वांचल पर ही फोकस कर रहे हैं।

पीएम मोदी की भी नजर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने भाषण में प्रदेश की पिछली सरकारों पर पूर्वांचल का विकास नहीं करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि पूर्वांचल के विकास का रास्ता भाजपा सरकार ने ही खोला है और पूर्वांचल लगातार उनकी प्राथमिकता में है।

पश्चिमी यूपी के असर को कम करने की रणनीति

कृषि कानूनों को लेकर चल रहे किसान आंदोलन का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिक पड़ा है। यहां के कई जिलों में किसान भाजपा से नाराज हैं। भाजपा नेतृत्व को लगता है कि पश्चिम में किसान आंदोलनों का असर विधान सभा चुनाव पर पड़ सकता है लिहाजा वे इस असर को कम करने के लिए पूर्वांचल पर फोकस कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नौकरशाही पर सवाल के मायने

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के कई राज्यों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नौकरशाही निष्क्रियता का शिकार हो चुकी है और वह कुछ करना नहीं चाहती है। वह चाहती है कि हर मामले में कोर्ट फैसला करे। नौकरशाही पर कोर्ट की यह टिप्पणी बेहद चिंताजनक है और वर्तमान स्थितियों को आईने की तरह साफ भी करती है। सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट को इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों करनी पड़ी? क्या जनहित के मुद्दे पर नौकरशाही फैसला लेने में नाकाम है या जानबूझकर ऐसा कर रही है? क्या नौकरशाही सत्ताधारी दलों के इशारे पर काम करने की आदी हो चुकी है? लोक सेवक का धर्म निभाने में कोताही क्यों बरती जा रही है? क्या जनता की जान से खिलवाड़ करने की छूट किसी को दी जा सकती है? क्या नौकरशाही का उदासीनता वाला रवैया देश और समाज को नुकसान नहीं पहुंचाएगा?

पिछले कई दिनों से प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार सुनवाई कर रहा है। इस मामले में वह केंद्र से लेकर दिल्ली सरकार तक को फटकार लगा चुका है। बावजूद इसके स्थितियों में सुधार नहीं हो रहा है। हालांकि फटकार के बाद केंद्र सरकार ने जहां अपने कर्मचारियों से सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के निर्देश दिए हैं वहीं दिल्ली सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। दिल्ली में स्कूलों को बंद कर दिया गया है और निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गयी है। बावजूद इसके असली सवाल अपनी जगह मौजूद है कि हर साल प्रदूषण से दिल्ली और आस-पास के राज्यों में लोगों को जहरीली हवा में सांस लेने पर मजबूर क्यों होना पड़ता है? प्रदूषण को रोकने के लिए स्थायी उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? केवल पलारी और पटाखों की आड़ में प्रदूषण के अन्य कारणों को नजरअंदाज किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी सही नब्ज पर हाथ रखा है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इसके लिए सरकारें और नौकरशाही जिम्मेदार हैं। सरकारें निर्माण कार्य और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नजरअंदाज करती हैं और किसानों पर इसका सारा ठीकरा फोड़ती हैं। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि नौकरशाही पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है और अपने लोक सेवक के धर्म का पालन नहीं कर रही है। सच यह है कि नौकरशाही सत्ताधारी दलों के हितों को साधने का साधन बन चुकी है और उनके सियासी हितों के अनुसार और उसके इशारों पर काम करती है। सरकारों को चाहिए कि वे सियासी हितों की पूर्ति करने की बजाय नौकरशाही का प्रयोग जनहित के लिए करें। यह देश, समाज और खुद उनके लिए बेहतर होगा।

“ दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के कई राज्यों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नौकरशाही निष्क्रियता का शिकार हो चुकी है और वह कुछ करना नहीं चाहती है। वह चाहती है कि हर मामले में कोर्ट फैसला करे। नौकरशाही पर कोर्ट की यह टिप्पणी बेहद चिंताजनक है और वर्तमान स्थितियों को आईने की तरह साफ भी करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वास्तविक मुद्दों से मुंह चुराती राजनीति

लक्ष्मीकांत चावला

हैरानी हुई पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी का यह वक्तव्य सुनकर कि उनके सामने पंजाब के केवल दो ही मुद्दे हैं- बेअदबी के दोषियों को दंड देना और नशा के जाल से पंजाब को मुक्त करना। जो सरकारें शराब को नशा नहीं मानतीं वे कभी भी नशामुक्त पंजाब या देश नहीं बना सकतीं। हाल ही में पंजाब के एक बेटे ने नशे के लिए पचास रुपये न देने पर बाप का कत्ल कर दिया। जहां तंबाकू पर रोक को दंड और जागरूकता अभियान चले, वहीं शराब को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शराब को भी वैध और अवैध का नाम दे दिया। जिस प्रकार सरकारी भाषा में बड़े-बड़े होटलों में जुआ खेलना अपराध नहीं पर गरीब का जुआ अपराध है, वैसी ही हालत नशे की भी है। जब कोई पुलिस कर्मचारी या अधिकारी चालीस लाख रुपये की रिश्वत लेकर नशा तस्करों को छोड़ देता है, अनेक केस ऐसे मिले, जिसमें पुलिस कर्मचारी नशा किसी की जेब में या दुकान में डालें या नशे में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठना चल रहा हो, वहां नशामुक्त करने का सरकारी स्वप्न कैसे साकार हो सकता है।

पहले सरकार सुनिश्चित करे कि कोई भी राजनेता नशा तस्करों का संरक्षक नहीं, हिस्सेदार नहीं। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक नशे पर नकेल डालने का लक्ष्य पूरा हो ही नहीं सकता। निस्संदेह, राजनेताओं के संरक्षण और पुलिस के कुछ बेईमान कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग के बिना नशा नहीं बिक सकता। नि:संदेह ये दोनों ही मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, पर महंगाई, बेकारी, कानून व्यवस्था की बुरी हालत भी पंजाब की जनता की मुख्य कठिनाइयां हैं और पंजाब की जनता को डेंगू का डंक भी बुरी तरह सता रहा है, किंतु सरकार डेंगू पीड़ितों का दर्द नाममात्र भी नहीं समझती। प्रतिदिन रोगियों की संख्या के जो सरकारी आंकड़े दिए जा रहे हैं, वे भी पूरी तरह गलत हैं। क्या सरकार बता सकती है कि डेंगू के हजारों रोगियों के लिए उसने क्या किया। डेंगू के सभी

पहले सरकार सुनिश्चित करे कि कोई भी राजनेता नशा तस्करों का संरक्षक नहीं, हिस्सेदार नहीं। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक नशे पर नकेल डालने का लक्ष्य पूरा हो ही नहीं सकता। निस्संदेह, राजनेताओं के संरक्षण और पुलिस के कुछ बेईमान कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग के बिना नशा नहीं बिक सकता।

रोगियों के लिए प्लेटलेट देने की व्यवस्था सरकारी अस्पतालों में करवाई गई? सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ पूरा किया गया? जब जनता का दर्द ही सरकार को नहीं है तो फिर यह उनके लिए मुद्दा कैसे बन सकता है। राज्य सरकार के मंत्रियों को केवल एक चिंता है कि ऊंचे पदों पर अपने रिश्तेदारों को कैसे बैठाया जाये। क्या मुख्यमंत्री के समर्थन के बिना ऐसा हो सकता था। वैसे चार दिन की सत्ता की चांदनी कभी भी अमावस्या में बदल सकती है, इसलिए उन्होंने कल करे सो आज कर की नीति पर काम करते हुए अपने संबंधी तो प्रसन्न कर लिए। मुख्यमंत्री अमरेंद्र के त्यागपत्र और उसके बाद नई सरकार का गठन होने के साथ-साथ ही यह सिद्ध हुआ कि बहुत से विधायक और मंत्री जो अमरेंद्र की वफादारी का ढोल बजाते थे, मन से वे भी उसके विरोधी थे या नए साहब को प्रसन्न करने के लिए बदले-बदले नजर आए। विडंबना देखिए कि चुनाव निकट आते-आते ही राजनीति की मंडी में बोली लगती है और बड़े-बड़े राजनेता पाला बदल लेते हैं। पौने पांच साल जिनके दिल अपनी पार्टी के साथ थे, चुनावों की आहट के साथ ही दिल बदल गए, दल बदल गए। आप पार्टी के दो एमएलए तेजी से कांग्रेस में गए, कुछ कांग्रेसी अकाली दल में और कुछ अकाली कांग्रेस पार्टी के घाट पर पानी पीने के लिए तैयार हो गए। सच्चाई यह है कि जनता आज राजनीति और राजनेताओं से इसलिए विमुख हो रही है कि उनके समक्ष कोई आदर्श उदाहरण नहीं। सच यह भी है कि जो आदर्शों का पालन करते हैं, उनकी आवश्यकता न सरकारों को है, न राजनेताओं को।

झारखंड की भाषाओं का संरक्षण

पंकज चतुर्वेदी

वे न तो कोई लेखक थे और न ही अनुवादक, न ही साहित्यकार या प्राध्यापक. बस वे अपने पुरखों से मिली थाती- इन भाषाओं को अपने मन-वचन-कर्म में रोज जीते हैं। ऐसे ही समाज के लोगों को सरकार ने 'पीवीजीटी' घोषित कर दिया है, अर्थात् ऐसी जनजातियां जिनकी आबादी तेजी से घट रही है। जाहिर है कि आबादी घटने के साथ उनकी भाषा, संस्कृति, लोक-मान्यताएं, भोजन आदि पूरी संस्कृति पर संकट मंडराने लगता है। ऐसी पांच भाषाओं के ठेठ ग्रामीण लोग रांची के डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान (टीआरआई) में एकत्र हुए।

उन्हें बुलाया शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नयी दिल्ली ने। पांच भाषाओं- बिरहोरी, माल्तो, असुरी, बिरजिया और भूमिज के दो-तीन जमीनी विशेषज्ञ एक साथ बैठे, तो तीन दिन में न केवल बच्चों की रंग-बिरंगी तीन-तीन पुस्तकों का अनुवाद कर दिया, बल्कि उनकी टाइपिंग, प्रूफ करेक्शन और डमी बनाने का काम भी कर दिया गया। इन पुस्तकों का प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट ने किया है। इनमें से कुछ भाषाओं में तो यह पहली मुद्रित पठन सामग्री है। हाल ही में झारखंड सरकार ने कोई एक करोड़ रुपये खर्च कर इन पुस्तकों को दूरस्थ अंचल तक के बच्चों को पहुंचाना सुनिश्चित किया है। आमतौर पर हिंदी में जिन भाषा-बोलियों के अनुवाद, शब्दों के आदान-प्रदान और हिंदी को समृद्ध बनाने के लिए आदिवासी बोलियों से शब्द उधार लेने की परंपरा रही है वे बोली-भाषाएं भारोपीय परिवार से ही रही हैं। झारखंड में सांस्थानिक स्तर पर द्रविड़ और आस्ट्रो-एशियाई परिवार की भाषा-बोलियों को करीब लाने का कार्य गत दो वर्षों से चल रहा है और इसमें केंद्र सरकार के नेशनल बुक ट्रस्ट व राज्य सरकार के टीआरआई दो कार्यशालाओं के माध्यम से 10 भाषाओं में बाल साहित्य की पचास से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर चुके हैं।

शुरुआत में झारखंड में व्यापक रूप से बोली जाने वाली पांच भाषाओं- संताली, कुडुख, हो, खड़िया और मुंडारी भाषा में किया गया। चूंकि, इन भाषाओं में कई प्राध्यापक, उच्च शिक्षित और अनुभवी लोगों के साथ नयी पीढ़ी भी शामिल थी, सो महज तीन दिवसीय कार्यशाला में 35 पुस्तकों का अनुवाद, संपादन, टाइपिंग और डमी बना दी गयी। इनमें तीन-तीन अनुवादक और दो-दो भाषा विशेषज्ञ प्रत्येक भाषा से आये, तो संपादन व भाषा को संवारने के काम में समय नहीं लगा। अनुवाद की असली चुनौती पीवीजीटी भाषाओं को लेकर थी जहां भाषा को व्यवहार में तो लाया जा रहा था, लेकिन उसकी लिखित सामग्री प्राय: उपलब्ध नहीं थी। कुछ भाषाओं में चर्च द्वारा विकसित भाषा की छोटी-मोटी डिक्शनरी अवश्य थी। असुरी जैसी बोली के अनुवादक के लिए तो लिखना भी कठिन था। वे मौखिक अनुवाद करते, फिर उसे बड़े अक्षर में लिखा जाता और फिर वे उसमें संशोधन करते। इस कार्यशाला से उपजे आत्मविश्वास ने इन 'अनजान-भाषा विशेषज्ञों' में इतना आत्मविश्वास भर दिया कि अब टीआरआई ने इनकी मदद से इन पांच भाषाओं में व्याकरण, गद्य और पद्य की ऐसी पुस्तकें विकसित कर दी हैं, जिनका इस्तेमाल स्कूल व नौकरी की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी किया जा सकता है। विदित हो कि झारखंड सरकार ने पीवीजीटी भाषाओं को विभिन्न नौकरियों की परीक्षा के लिए भी मान्यता दे दी है।

इस तरह झारखंड की भाषाओं को बच्चों तक आकर्षक तरीके से पहुंचाने के महायज्ञ का प्रारंभ दो साल पहले टीआरई और नेशनल बुक ट्रस्ट के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन से हुआ था। इसके तहत झारखंड के बच्चों के लिए उनकी सभी भाषाओं में साहित्य उपलब्ध करवाने, टीआरआई के चुनिंदा शोध को पुस्तक के रूप में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में लेकर आने और रांची में नेशनल बुक ट्रस्ट के पुस्तक बिक्री केंद्र की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। इसी समझौते के अनुरूप इन दिनों टाना भगत या असुर जनजाति जैसे विषयों पर झारंखड की जनजातियों से जुड़े छह विषयों पर हिंदी अनुवाद का कार्य भी चल रहा है।

झारखंड में वैसे तो 32 भाषाएं हैं, लेकिन जिन जनजाति समुदायों के लोग अच्छी सरकारी नौकरियों में आ गये, आज उन्हीं भाषाओं का बोलबाला है। सुदूर आंचलिक व अपनी आदिम परंपराओं के साथ जी रही कई जनजातियों पर जंगल नष्ट होने, जीवकोपार्जन के पारंपरिक साधन समाप्त होने, शहरीकरण, बेहतर स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधा के अभाव के चलते अस्तित्व का संकट है। इस तरह से अनुवाद का कार्य एक तो बच्चों में अपनी भाषाई अस्मिता को सहेज कर रखने का भाव पैदा करता है, दूसरा यह उन भाषाओं का दस्तावेजीकरण भी है ताकि इनके मूल स्वरूप की बानगी भी रहे। तेजी से हो रहे पलायन व त्वरित संचार के युग में किसी भी भाषा में अन्य का मिश्रण होने में समय नहीं लगता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों की जो 50 पुस्तकें तैयार हो गयी हैं उन्हें दूरस्थ अंचलों तक पाठकों तक पहुंचाने के लिए समाज और सरकार दोनों त्वरितता से काम करें। साथ ही, अन्य लुप्त होती भाषाओं के दस्तावेजीकरण के लिए भाषा के मानक, शब्दावली आदि पर काम हो।

ठंड में जरूर खायें अमरूद

सर्दियों के मौसम में अमरूद लगभग हर किसी को पसंद होता है। अमरूद के साथ-साथ इसकी पत्तियां भी बहुत फायदेमंद होती हैं। अमरूद कई सारे एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन बी, पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होता है। इसके अलावा, इसमें फोलेट और लाइकोपीन जैसे जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अमरूद में 80 फीसदी तक पानी होता है जो स्किन को हाइड्रेट रखने का काम करता है। आइए जानते हैं कि सर्दियों में अमरूद खाने से शरीर को और क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

डायबिटीज से बचाता है

स्टडीज के मुताबिक, अमरूद ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है। खासतौर से अमरूद के पत्तों का अर्क इंसुलिन रेजिस्टेंस और ब्लड शुगर पर काफी कारगर पाया गया है। खाने के बाद अमरूद की पत्तियों से बनी चाय पीने से ब्लड शुगर कम होता है। अमरूद में ग्लाइकेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकता है। कुल मिलाकर डायबिटीज के मरीजों के लिए अमरूद बहुत फायदेमंद है और इन्हें हर दिन अमरूद खाना चाहिए।

कैंसर से बचाता है

अमरूद की पत्तियों में एंटीकैंसर गुण होते हैं। टेस्ट-ट्यूब और एनिमल स्टडीज के मुताबिक, अमरूद का अर्क कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। अमरूद में पाए जाने वाले शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन, क्वेरसेटिन और पॉलीफेनोल्स भी कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में फायदेमंद पाया गया है। स्टडीज से यह भी पता चलता है कि अमरूद के पत्ते के तेल में एंटी-प्रोलिफेरेटिव पदार्थ होते हैं जो कैंसर के प्रसार को रोकने में प्रभावी होते हैं ।

कब्ज को दूर करता है

अमरूद फाइबर का बहुत अच्छा स्त्रोत है और इसके बीज पेट को साफ करने में काफी फायदेमंद होते हैं। अमरूद खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है। सिर्फ एक अमरूद से ही आपको हर दिन के फाइबर की जरूरी मात्रा यानी 12 फीसदी तक फाइबर मिल सकता है। वहीं अमरूद की पत्तियां डायरिया की दिक्कत को दूर करती हैं और आंत में मौजूद हानिकारक रोगाणुओं को मारती हैं।

सर्दी-खांसी से बचाता है

सर्दियों के दिनों में सर्दी-खांसी की समस्या होना आम बात है। अमरूद और इसकी पत्तियों में भरपूर मात्रा में विटामिन और आयरन होता है जो सर्दी-खांसी में आराम देता है। अमरूद इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है। खांसी में पका अमरूद नहीं खाना चाहिए लेकिन कच्चा अमरूद खाने से बलगम कम होता है। इसलिए सर्दियों में अमरूद का सेवन जरूर करना चाहिए। अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन आंखों की रोशनी भी बढ़ाने का काम करता है।

दिल की बीमारियों से बचाता है

अमरूद दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद है। अमरूद में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन दिल को फ्री रेडिकल्स से खराब होने से बचाते हैं। अमरूद में केले के बराबर पोटेशियम पाया जाता है जो दिल की सेहत को दुरुस्त रखता है। अमरूद की पत्तियां भी ब्लड प्रेशर को कम करती हैं और बैड कोलेस्ट्रोल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रोल को बढ़ाती हैं। एक स्टडी के मुताबिक, खाना खाने से पहले एक पका अमरूद खाने से ब्लड प्रेशर 8-9 प्वाइंट तक कम हो जाता है।

वजन कम करने में कारगर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो अमरूद से अच्छा फल कोई और नहीं हो सकता। इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने की वजह से आपके शरीर में किसी भी तरह के पोषक तत्व की कमी भी नहीं होती है। इसमें शुगर की मात्रा भी बहुत कम होती है जिसकी वजह से मोटापा नहीं बढ़ता है।

हंसना मना है

चिंटू: मम्मी मैं कल से स्कूल नहीं जाऊंगा। मम्मी: क्यों, क्या हो गया? चिंटू: मम्मी आज स्कूल में सभी बच्चों का वजन मापा गया था। मम्मी: तो? चिंटू: मुझे डर है कि कहीं रेट अच्छा मिल गया तो स्कूल वाले हमें बेच ही न दें।

मिंटू: भागता हुआ मम्मी के पास आया और बोला: मम्मी, 10 रुपये देना, बाहर एक गरीब को देने है उसकी मम्मी ने बाहर जा कर देखा तो कोई नहीं दिखा। मम्मी: कहां है गरीब? मिंटू: बेचारा बाहर धूप में आइसक्रीम बेच रहा है।

राम: मां ये लड़कियां इतने व्रत क्यों रखती हैं? मां: बेटा इतनी आसानी से थोड़ी मिल जाएगा किसी को तू । राम: (मन ही मन सोचता हुआ) बोला- कसम से आज पहली बार देवता वाली फीलिंग आ रही है।

डॉक्टर ने औरत के मुंह में थर्मोमीटर रखा, और कुछ देर मुंह में रखने को कहा...पत्नी को खामोश देखकर पति से रहा नहीं गया...और पूछ ही लिया: डॉक्टर साहेब यह चीज कितने की आती है?

पत्नी: तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं। पति: तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर।

कहानी — बोलने वाले पक्षी

एक बार की बात है एक मोटू नाम का एक लड़का जंगल में जा रहा था। उस जंगल में उसे एक पक्षी का जोड़ा मिला वो दोनी पक्षी आपस में इंसान की तरह बात कर रहे थे मोटू को यह बात कुछ अजीब लगी। क्योकि इंसान की तरह कोई भी पक्षी बोलता नहीं है मोटू उनके पास गया और पूछा कि तुम हमारी भाषा कैसे बोल सकते है। दोनों पक्षी ने यह बात उनको नहीं बताई और दोनों पक्षी बोले की हम जादू के पक्षी है। अगर तुम हमारे लिए फल लाते हो तो हम तुम्हें कोई भी दो इच्छा पूरी कर देंगे, जिससे तुम जो चाहो वो मांग लो मोटू को बहुत खुशी हुई और वह उनके लिए फल ले आया दोनों पक्षी ने वो फल खा लिए फिर मोटू ने कहा कि मेरी इच्छा कब पूरी होगी दोनों बोले की अगले दिन हो जायेगी मोटू उन्हें अपने साथ ले आया और अपने घर में एक पिंजरे में रख दिए। मोटू बहुत ही सीधा था और वह बहुत जल्दी ही बातों में आ जाता था मोटू ने यह बात अपने एक दोस्त को भी बताई पर उसके दोस्त को विस्वास नहीं। इसलिए वह अपने दोस्त को अपने साथ ले आया जब मोटू ने दोनों पक्षी को कहा की इसे भी बोल कर दिखाओ तो वो दोनों पक्षी चुप रहे मोटू जब अपने दोस्त को बता रहा था तो वह पर एक चोर भी खड़ा था उसने भी यह बात सुन ली थी पर जब दोनों पक्षी चुप रहे तो वो सोचने लगा की उसका दोस्त झोट क्यों बोलेगा इसलिए वह चोर वही पर छुपा रहा और कुछ देर बाद जब देखा की उसका दोस्त चला गया है तो दोनों पक्षी बोलने लगे अब चोर को समझ में आ गया था की यह बात सच है और उस चोर ने वह दोनों पक्षी को चुरा लिया अपने साथ ले गया उस चोर को पक्षी ले जाते हुए उसके पड़ोसी ने देख लिया था जब मोटू घर आया तो उसे पता चला की एक चोर उसके दोनों पक्षी अपने साथ ले गया है और मोटू भी उन पक्षी ले आने के लिए उस चोर के पास जाने लगा, उधर जब चोर आया तो उन पक्षी से कहा कि मेरी भी इच्छा पूरी कर दो पर दोनों पक्षी चुप रहे। चोर को अब ऐसा कुछ करना था, जिससे काम हो सके इसलिए चोर ने कहा की अगर तुम नहीं बोलेगे तो तुम्हे मार दूंगा दोनों पक्षी डर गए और कहा की हमें छोड़ दो हम किसी की भी इच्छा पूरी नहीं कर सकते यह सब हम अपने खाने के लिए करते है जिससे हमे सभी लोग फल खिला दे,मोटू भी यह बात सुन रहा था और उसे बड़ा दु:ख हुआ की उसकी कोई भी इच्छा पूरी नहीं होगी फिर चोर ने कहा कि अब तुम मेरे किसी काम के नहीं हो इसलिए अब तुम मेरा खाना बनाओगे। यह सुनकर मोटू ने चोर को पकड़ लिया और वह पर शोर मचा दिया चोर वह से भाग गया दोनों पक्षी अब सुरक्षित थे और मोटू को धन्यवाद दिया दोनों ने यह बात मोटू को बताई की वो बहुत साल तक इंसान के बीच में रहे थे, जिससे वह इंसान की बोली जान गए थे मोटू ने उन्हें आजाद कर दिया और मोटू अपने घर चला गया।

दोस्तों हमें हर किसी की बात पर यकीन नहीं करना चाहिए और अपने अपने दिमाग से काम लेना चाहिए।

10 अंतर खोजें

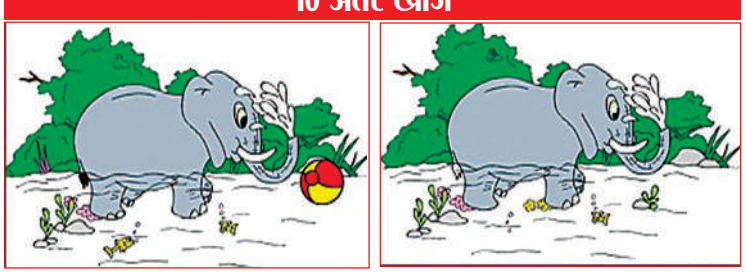

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे। स्थायी संपत्ति क्रय करने में जल्दबाजी न करें।

वृषभ — मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। आर्थिक समस्याओं का निराकरण संभव है।

मिथुन — मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। बुद्धि, विवेक से कार्य करने पर विघ्न-बाधाएँ दूर हो सकेंगी।

कर्क — कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए।

सिंह — पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। व्यापार-व्यवसाय में अनुकूल अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा। मकान, वाहन के क्रय-विक्रय की चर्चा संभव है।

तुला — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक — यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

धनु — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी।

मकर — अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी। चापलूसों से सावधान रहें। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ — आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। समाज, परिवार में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में मतभेद खत्म होंगे। कार्यस्थल पर सुधार होगा।

मीन — पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

भाग्यश्री को शिव की नगरी काशी से हुआ प्यार

फिल्म 'मैंने प्यार किया' से दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए बस चुकीं भाग्यश्री हाल ही में वाराणसी गई हुई थीं। शिव की नगरी काशी उन्हें भा गई, ऐसा उनके द्वारा सोशल मीडिया में पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियोज से पता चल रहा है। स्थानीय मीडिया से बातचीत में भाग्यश्री ने कहा, 'काशी के वातावरण में सुकून और शांति है। गंगा के तट पर कुछ अलग तरह का सुकून महसूस होता है। मानों भगवान यही बसे हुए हैं।' ये बातें भाग्यश्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में मैसेज के तौर पर भी कही हैं। भाग्यश्री को वाराणसी में कितना सुकून महसूस हो रहा है, इसका अंदाजा उनके इंस्टाग्राम रील के वीडियो से पता लग रहा है। इस वीडियो में भाग्यश्री, व्हाइट सूट में बेहद ही खूबसरत लग रही हैं। यह वीडियो वाराणसी के बृजराम पैलेस में बनाया गया है। बांसुरी की मधुर धुन पर भाग्यश्री, पैलेस में टहलती हुई दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'मैं यहां खुद को शांत, आनंदित और धन्य महसूस कर रही हूं।' इससे पहले भाग्यश्री ने मुंबई एयरपोर्ट से भी एक इंस्टाग्राम रील बनाया था। वीडियो में अपनी काशी यात्रा को लेकर वो बेहद एक्साइटेड नजर आ रही थीं। आप भी इस वीडियो को यहां देख सकते हैं। हाल ही में, भाग्यश्री अपने बेटे के फिल्म के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस 15' के सेट पर पहुंची थीं। यहां उन्होंने सलमान खान के साथ अपनी पहली फिल्म 'मैने प्यार किया' के यादगार लम्हों को याद किया उन्होंने सलमान खान के साथ वाली फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा था, 'कुछ लोग, कुछ बातें, कुछ कहानियां कभी नहीं बदलते दोस्ती फॉर लाइफटाइम भाग्यश्री ने एक बार फिर से बड़े पर्दे पर काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही में, वो कंगना की फिल्म 'थलाइवी' में उनकी मां बनीं नजर आईं थी। जनवरी में प्रभास की आने वाली फिल्म 'राधेश्याम' में भी भाग्यश्री एक अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

एक-दूजे के हुए राजकुमार राव और पत्रलेखा

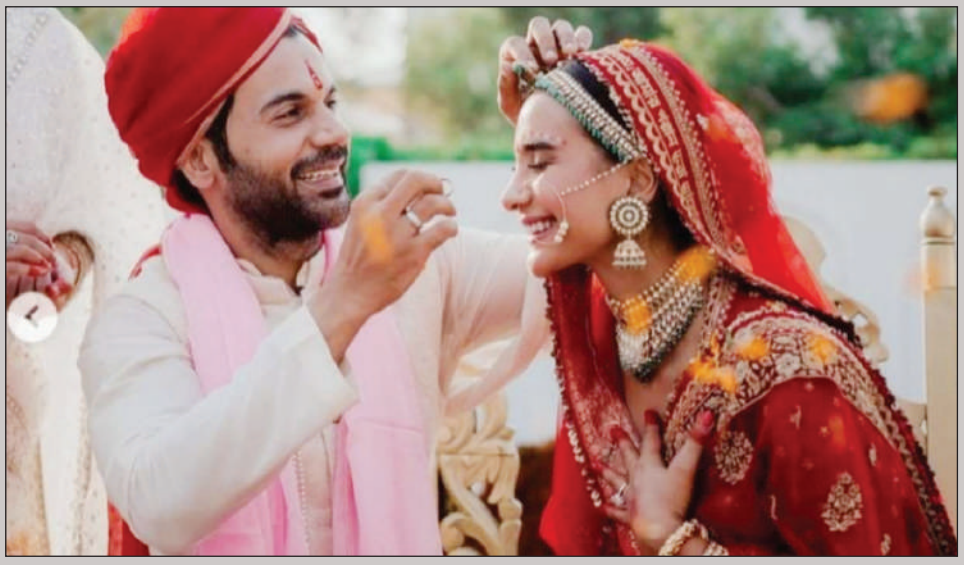

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और एक्ट्रेस पत्रलेखा सोमवार यानी 15 नवंबर को शादी के बंधन में बंध गए हैं। शादी के फंक्शन्स का आयोजन चंडीगढ़ में किया गया था। इस समारोह में दोनों के परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्तों को शामिल किया गया था। अब राजकुमार और पत्रलेखा की शादी की पहली तस्वीरें भी सामने आ गई हैं।

राजकुमार राव ने शेयर की फोटोज

इन फोटोज में दोनों ही बेहद खुश दिख रहे हैं। जहां एक ओर राजकुमार दूल्हे के लिबास में काफी हैंडसम दिख रहे हैं, वहीं दुल्हन के रूप में पत्रलेखा पर से नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है। राजकुमार ने अब खुद इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को पोस्ट किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, आखिरकार 11 साल के प्यार, रोमांस, दोस्ती और मस्ती के बाद मैंने उससे शादी की जो मेरी सब कुछ है। मेरी सोलमेट, मेरी बेस्ट फ्रेंड, मेरा परिवार।

पत्रलेखा ने भी दिखाई तस्वीरें

एक्टर ने आगे लिखा, आज मेरे इससे बड़ी खुशी और कुछ नहीं है कि मैं तुम्हारा पति कहलाऊंगा पत्रलेखा। हमेशा के लिए और उससे भी परे। दूसरी ओर पत्रलेखा ने भी फोटोज शेयर करते हुए लिखा, मैंने आज उससे शादी कर ली जो मेरा सब कुछ है। मेरा बॉयफ्रेंड, मेरा क्राइम पार्टनर, मेरा परिवार, मेरा सोलमेट।

बॉलीवुड | मसाला

फैंस दे रहे हैं शुभकामनाएं

अब राजकुमार और पत्रलेखा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस दोनों को जिंदगी की इस नई शुरुआत के लिए ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। फैंस के अलावा दोस्तों और फिल्मी हस्तियों भी दोनों को बधाइयां दे रहे हैं। फैंस भी लंबे समय से इनकी शादी का इंतजार कर रहे थे।

नागिन 6 में हुई महक चहल की एंट्री

एकता कपूर एक बार फिर से नागिन के अगले सीजन यानी नागिन 6 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। जबसे सलमान खान के शो बिग बॉस में एकता कपूर ने नागिन 6 की घोषणा की है फैंस यही कयास लगा रहे हैं कि आखिर इस सीजन में कौन सी एक्ट्रेस नागिन बनकर लोगों के दिलों पर राज करने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो महक चहल नागिन 6 में लीड भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 11 में आखिरी बार महक चहल दिखाई दी थीं। रिपोर्ट्स में ये बात कही जा रही है कि जल्द ही महक चहल के नाम पर एकता कपूर मुहर भी लगाने वाली हैं। बिग बॉस 15 में जब एकता कपूर पहुंची थी उस दौरान उन्होंने बताया था कि जनवरी 2022 में नागिन 6 लॉन्च होगा। साथ ही एकता कपूर ने ये भी कहा था कि इस बार जो एक्ट्रेस नागिन बनने वाली हैं उनका नाम एम से शुरू होता है। एकता ने ये भी कहा था कि सलमान खान उन्हें अच्छे से जानते हैं। बता दें महक चहल सलमान खान के संग वॉन्टेड में रोमांस कर चुकी हैं और बिग बॉस कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं। एकता कपूर की इस घोषणा के बाद लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया था कि कहीं महिमा मकवाना की एंट्री तो नहीं हो रही नागिन 6 में। कुछ लोगों को ये भी लग रहा था कि कहीं एक बार फिर से मौनी रॉय को नागिन बनाकर तो एकता पेश नहीं करने वालीं।

अजब-गजब | आज तक नहीं चला इस जहाज का पता

अरबों रुपये के खजाने के साथ समंदर में डूब गया था जहाज

पूरी दुनिया असंख्य रहस्यों से भरी पड़ी है। जिनसे आज तक आम इंसान तो क्या वैज्ञानिक भी पर्दा नहीं उठा पाए। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक जहाज से जुड़ा हुआ है। इस जहाज पर अरबों रुपये का खजाना लदा हुआ था और ये समंदर में डूब गया। इस घटना के 300 साल बीत जाने के बाद भी इस जहाज और उसपर लटे खजाने का कोई पता नहीं चला। तमाम खोज करने का बाद भी इस जहाज और खजाने का रहस्य आज भी रहस्य ही बना हुआ है। बात साल 1708 की है। स्पेन का सैन जोसे नाम का एक जहाज कैरेबियाई सागर में जा रहा था। तभी अचानक वह डूब गया।

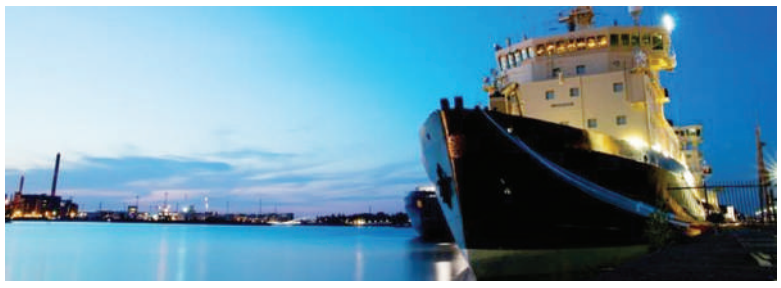

दरअसल, साल 1708 में अंग्रेजों की सेना ने स्पेन पर आक्रमण कर दिया। इसके बाद वह स्पेन के खजाने का एक बड़ा हिस्सा जहाजों में भरकर ले जाने लगे। अंग्रेजों ने इस खजाने को लूटने के लिए 8 जून 1708 को हमला बोला था। इन जहाजों में सैन जोसे जहाज भी शामिल था। अंग्रेजों ने जब स्पेन के जहाज सैन जोसे पर हमला किया, उस दौरान वह कैरिबाई सागर में मौजूद था। हमले के बाद जहाज में आग लग गई और धूं-धूंकर जलने लगा। इस दौरान सैन जोसे जहाज पर सैनिकों समेत करीब 600 लोग मौजूद थे। जहाज जलकर तबाह हो गया और समंदर में डूब गया। जहाज के साथ उसपर मौजूद सभी लोग और 14 अरब पाउंड की कीमत का खजाना भी डूब गया। जहाज के डूबने के बाद उसे खोजने की बहुत कोशिश की गई लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इस जहाज को खोजने की सबसे बड़ी वजह थी इस पर लदा खजाना। करीब 300 साल बाद जहाज सैन जोसे को खोजकर्ताओं ने खोज निकाला। बता दें कि साल 2015 में कोलंबिया की सरकार ने इस खजाने को खोजने का काम शुरु करवाया था। यह काम जिस संस्थान को सौंपा गया उसने ही टाइटैनिक का मलबा भी खोजा था। समुद्री पुरातत्वविदों और वुड्स होल ओशनॉग्रफिक इंस्टिट्यूशन के खोजकर्ताओं ने उसी साल के अंत तक जहाज को खोज निकाला।

इस जहाज की खोज करने वाले वैज्ञानिक ओशनॉग्रफिक इंजिनियर जेफ काएली का कहना है कि इस जहाज पर माया साम्राज्य से लाए जा रहे सोना, चांदी और पन्ना रहे होंगे। जहाज के साथ डूबे खजाने पर स्पेन और कोलंबिया दोनों दावा करते हैं। स्पेन कहता है कि जहाज उसके थे इसलिए यह खजाना उसका है, तो वहीं कोलंबियां कहता है कि उसके क्षेत्र में मिला है इसलिए वह उसका है।

चार कानों वाली अनोखी बिल्ली देख दंग हो जा रहे लोग!

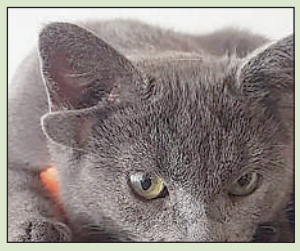

जब बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन ने सिनेमा जगत में एंट्री मारी थी तो लोग एक्टिंग के अलावा उनके दो अंगूठों को देख कर काफी हैरान हो जाते थे। प्रकृति द्वारा बनाई गई चीजों में जब कुछ अलग हो तो लोग उसे हमेशा ही देखकर हैरान हो जाते हैं। इसलिए दो मुंह वाला सांप, दो मुंह वाला कछुआ या फिर चीन के चार हाथ वाले बच्चे को देखकर हर कोई दंग हो गया था। ऐसा ही कुछ हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर हो रहा है। लोग एक बिल्ली को देखकर चौंक जा रहे हैं जिसके 4 कान हैं। इन दिनों रूस में जन्मी एक बिल्ली के बहुत चर्च हैं। इस अनोखी बिल्ली के एक नहीं, दो नहीं, बल्कि 4 कान हैं। इस जानवर के कान ही उसे अलग बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर उसके काफी चर्चे हो रहे हैं। 4 महीने की इस बिल्ली का नाम मिडास है और इसका अपना इंस्टाग्राम पेज भी है जिसे 46 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। गौरतलब है कि सिर्फ बिल्ली के कान ही हैरान करने वाले नहीं हैं, उसके सीने पर एक सफेद रंग का बर्थ मार्क भी है दिल के आकार का है। तुर्की की महिला ने 4 कान वाली बिल्ली को गोद लिया है कई एनिमल लवर्स बिल्ली के दीवाने हैं जो उसकी हरकतें देखकर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में बिल्ली को एक महिला ने गोद ले लिया है जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोग अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। आपको बता दें कि तुर्की की रहने वाली महिला कैनिस डोसेमेसी और उसके पार्टनर ने बिल्ली को गोद लिया है। बिल्ली के इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चल रहा है कि कैनिस पहले से ही पेट लवर हैं और मिडास को गोद लेने से पहले उनके पास 12 साल की एक डॉगी सूज़ी है। मिडास और सूज़ी में बहुत पट रही है। दोनों की साथ में खेलते हुए कई फोटोज अकाउंट पर नजर आती है। एक वीडियो में तो बिल्ली अपनी दोस्त सूज़ी को गुड नाइट किस देती भी नजर आ रही है। बिल्ली की मालकिन कैनिस ने बताया कि उसके 4 कान उसकी सुनने की शक्ति पर कोई असर नहीं डालते। आम तरह से ही रिसपॉन्स देती है।

भाजपा के रंग और नाम बदलने के झांसे में नहीं आने वाली है जनता : अखिलेश

» आक्रोश देखकर डर रही है भाजपा, सपा के कल्याणकारी कामों को कर दिया बर्बाद

» सपा ने खींचा था पूर्वांचल के विकास का नक्शा, गरीबी और महंगाई आसमान पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि जैसे-जैसे विधान सभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भाजपा के अंदर जनता के बढ़ते आक्रोश का डर बढ़ता जा रहा है। इसका परिणाम है कि साढ़े चार साल तक कुछ न करने वाले मुख्यमंत्री धड़ाधड़ लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं लेकिन प्रदेश की जनता सच्चाई जानती है, उस पर भाजपाई रंग और नाम बदलने की साजिशों का कोई असर नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा अब तक अपना एक भी काम नहीं गिना पाई है। एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया। समाजवादी सरकार के जनकल्याणकारी कामों को बर्बाद करने में ही भाजपा की सारी शक्ति लगी रही है। दिसम्बर 2016 में विधान भवन के सामने से समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास हुआ था तभी सरकार ने बजट की घोषणा भी की थी। जमीन खरीद के लिए पैसा जारी किया था। समाजवादी सरकार ने प्रदेश में पहला एक्सप्रेस-वे आगरा-लखनऊ मात्र 22 महीनों में बना दिया था जहां सेना के वायुयान उतरे थे। वहीं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का साढ़े चार साल में आधा-अधूरा बने होने पर भी उद्घाटन का दिखावा किया गया है। उत्तर प्रदेश व पूर्वांचल के विकास का नक्शा समाजवादी पार्टी ने खींचा था। कल भी उनका था और आने वाला कल भी समाजवादी पार्टी का होगा। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास के सपने को समाजवादी सरकार ने ही शुरू किया था। गरीबी, बेकारी, महंगाई, कानून व्यवस्था और शिक्षा-स्वास्थ्य की बदहाली पर भाजपा कोई चर्चा नहीं कर रही है। भाजपा से आक्रोशित उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा के लिए जमीनी रास्ते बंद कर दिए हैं, अब विकल्प हवाई मार्ग ही शेष हैं।

यूपी किन्नर कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष बनीं सोनम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित किन्नर कल्याण बोर्ड में लखनऊ की सोनम चिश्ती को उपाध्यक्ष बनाया है। सोनम कुछ महीने पहले ही समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। इनके अलावा चार किन्नर सदस्य भी नामित किए गए हैं। इनमें प्रयागराज की कौशल्या नन्द गिरी उर्फ टीना मां, गोरखपुर की किरन बाबा, जौनपुर की मधु उर्फ काजल व कासगंज की मो. आरिफ पूजा किन्नर शामिल हैं।

प्रदेश सरकार ने इसी साल नौ अगस्त को किन्नरों के कल्याण के लिए समाज कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में 23 सदस्यीय किन्नर कल्याण बोर्ड गठित किया था। इसमें उपाध्यक्ष व पांच सदस्य किन्नर रखे जाने थे। बुधवार को प्रदेश सरकार ने उपाध्यक्ष व चार सदस्यों को नामित कर दिया। प्रमुख सचिव समाज कल्याण हिमांशु कुमार ने इसके आदेश जारी कर दिए। यह बोर्ड किन्नरों की आवश्यकताओं, मुद्दों व समस्याओं पर काम करते हुए नीति व संस्थागत सुधारों के लिए सरकार को सुझाव देगा। प्रदेश में तकरीबन डेढ़ लाख किन्नर हैं।

रेस्टोरेंट कर्मचारी की गोली मारकर हत्या, साथी घायल

» मुजफ्फरनगर में बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर में बुधवार की देर रात बेखौफ बदमाशों ने थाने के समीप ही हाईवे पर एक रेस्टोरेंट कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी तथा दूसरे को घायल कर दिया। दोनों कर्मचारी डयूटी समाप्त करके लौट रहे थे। थाने के समीप हुई इस घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

उड़ीसा के बालेशर निवासी 25 वर्षीय नरेश और 24 वर्षीय सुदर्शन मंसूरपुर में थाने से करीब दो सौ मीटर दूर हाईवे पर स्थित नैवेद्यम रेस्टोरेंट में नौकरी करते थे। दोनों अपने साथियों सहित गांव खानूपुर में किराये का कमरा लेकर रहते थे। बुधवार की देर रात दोनों डयूटी खत्म करके पैदल ही गांव की ओर जा रहे थे। दोनों जब सर्विस रोड पर बने खानूपुर के बस स्टापेज के समीप पहुंचे तो पीछे से बाइक पर आए दो युवकों ने उन्हें रोक लिया तथा उनसे पूछा कि वह

कहां जा रहे हैं। इससे पहले दोनों कुछ बताते बाइक सवारों ने सुदर्शन को धक्का देकर गिराते हुए गोलियां चला दी। नरेश के सीने में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि पैर में गोली लगने से सुदर्शन घायल हो गया। गोलियों की आवाज उनके अन्य साथी दौड़े तो बाइक सवार वहां से फरार हो गए। थाने के समीप हुई इस वारदात की सूचना से हड़कंप मच गया। सीओ खतौली आरके सिंह व मंसूरपुर थाना प्रभारी मुकेश कुमार गौतम मौके पर पहुंचे। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया जबकि घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।

फिर बढ़ा कोरोना संक्रमण, चौबीस घंटे में 470 मरीजों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के मामलों में आज फिर इजाफा दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में देश में कोरोना संक्रमण के 11 हजार 919 नए मरीज मिले। इस दौरान 470 मरीजों की मौत हुई। फिलहाल, भारत में 1 लाख 28 हजार 762 मरीजों का इलाज जारी है। नए आंकड़ों को मिलाकर देश में कोरोना के मरीजों की संख्या 3 करोड़ 44 लाख 78 हजार 517 पर पहुंच गई है। वहीं, 4 लाख 64 हजार 623 मरीज जान गंवा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि कोरोना रोधी टीके की पूरी खुराक लेने वाले लोगों की संख्या देश में पहली बार टीके की एक खुराक लेने वाले लोगों के पार चली गयी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'जन भागीदारी' और 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' की दूरदृष्टि, सरकार में लोगों का विश्वास और 'हर घर दस्तक' अभियान के कारण यह उपलब्धि मिली है। वहीं महाराष्ट्र, केरल और आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है।

पंजाब : आंदोलनरत किसानों पर दर्ज केस होंगे रद्द

» चन्नी सरकार ने किया ऐलान, मुआवजे के लिए मृत किसानों की मांगी सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ जारी संघर्ष के दौरान पंजाब में किसानों पर दर्ज सभी केस रद्द किए जाएंगे। यह ऐलान बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने 32 किसान संगठनों के साथ बैठक के बाद किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों व मजदूरों के परिजनों को सरकारी नौकरी व तय मुआवजा देने के लिए संयुक्त मोर्चा से सूची मांगी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि पंजाब के सरकारी दफ्तरों में केवल पंजाबियों को ही नौकरी देने के लिए राज्य सरकार एक हफ्ते में नया कानून ला रही है। पंजाब भवन में संयुक्त मोर्चा के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने किसानों के हित में कई अन्य बड़े ऐलान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की

पूर्ण कर्जमाफी की मांग पर किसान यूनियनों के साथ बैठकर में विचार-विमर्श किया जाएगा और उसके आधार पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यूनियनों की बाकी 17 मांगों को मान लिया गया है। राज्य में पराली जलाने को लेकर अब तक किसानों पर जितने भी केस दर्ज किए गए हैं, उन सभी को रद्द करने का फैसला लिया गया है। बठिंडा क्षेत्र में गुलाबी सूंडी के कारण खराब हुई कपास की फसल के लिए 12000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा राशि को बढ़ाकर 17000 रुपये करने की घोषणा की। सब्जी उगाने वाले किसानों द्वारा किए 500 बिजली के मीटर भी सरकार ने फ्री कर दिए हैं।

डांसर सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

» धोखाधड़ी के मामले में दाखिल हुआ था आरोप पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डांस कार्यक्रम रद्द करने व टिकट का पैसा वापस नहीं करने के एक मामले में बुधवार को हाजिर न होने पर अदालत ने डांसर सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। एसीजेएम शांतनु त्यागी ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 नवंबर की तारीख तय की है।

गौरतलब है कि 13 अक्टूबर, 2018 को स्मृति उपवन में दोपहर तीन से रात 10 बजे तक सपना समेत अन्य कलाकारों का कार्यक्रम था। इसके लिए प्रति व्यक्ति तीन सौ रुपये में आनलाइन व

आफलाइन टिकट बेचा गया था। इस कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों टिकट धारक मौजूद थे, लेकिन रात 10 बजे तक सपना चौधरी नहीं आईं। कार्यक्रम रद्द होने के बाद भी टिकट धारकों का पैसा वापस नहीं किया गया। 14 अक्टूबर, 2018 को इस मामले की नामजद एफआइआर दारोगा फिरोज खान ने आशियाना थाने में दर्ज कराई थी। एक मई, 2019 को सपना के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हुआ था।

तो यूपी में विकास के नाम पर मिलेंगे वोट!

» पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जनता को नहीं कोई फायदा

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का भाजपा ने भव्य उद्घाटन किया उसी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने समाजवादी विजय रथ यात्रा निकाली। जाहिर है चुनाव से पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे राजनीति का केंद्र बन गया है। इसको लेकर सपा-भाजपा में घमासान मचा हुआ है। सवाल यह है कि क्या पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का चुनाव पर असर पड़ेगा? क्या सपा यहां अपना पिछला रिकॉर्ड दुरुस्त कर पाएगी? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार रंजीव, अजय शुक्ला, श्वेता आर रश्मि, अभिषेक कुमार, लेखक सीपी राय और 4पीएम के पत्रकार गोविंद प्रताप सिंह के बीच चली परिचर्चा में।

श्वेता आर रश्मि ने कहा, भाजपा लगातार ऐसे कार्यों का फीता काट रही है जो उसका नहीं है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास सपा सरकार में किया गया था। भाजपा इवेंट पार्टी बन चुकी है और इसके जरिए वह सत्ता पाना चाहती है। रंजीव ने कहा, भाजपा-सपा दोनों ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का श्रेय लेने में जुटे हैं। सवाल यह है कि क्या भाजपा विकास कार्यों को लेकर चुनाव में

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

जाएगी। चुनाव में सरकार को अपने काम का लेखा-जोखा लेकर जाना चाहिए लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ऐसा लंबे समय तक नहीं चलेगा। सीपी राय ने कहा कि सड़कों के नाम पर यदि वोट मिलते तो शीला दीक्षित अजेय रहतीं लेकिन दिल्ली में वह खुद अपना चुनाव हार गयीं। अखिलेश यादव भी आगरा एक्सप्रेस-वे बनवाने के बाद चुनाव हार गए। यही हाल भाजपा का होने वाला है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के आसपास की कोई सीट भाजपा नहीं जीत पाएगी। अभिषेक कुमार ने कहा, एक्सप्रेस-वे से हुए प्राकृतिक वातावरण के नुकसान पर भी चर्चा होनी चाहिए। सरकार जनता के पैसे को बर्बाद कर रही है। वे दुनिया को केवल चमचमाती चीजें दिखाना चाहते हैं। देश की गरीबी को दिखाने से बचा रहे हैं। अजय शुक्ला ने कहा, यह एक्सप्रेस वे बहुत महंगा बना हुआ है। वहां इंडस्ट्री नहीं है। इसकी बात भाजपा सरकार नहीं करती है। यहां जनता को कुछ नहीं मिल रहा है।

सीबीआई से हो पुलिस हिरासत में हुई मौतों की जांच: संजय सिंह

» पुलिस हिरासत में मौत के मामले में यूपी नंबर वन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के यूपी प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि पुलिस हिरासत में मौत के मामले यूपी अब नंबर वन हो गया है। इस सरकार में अब तक कुल 1318 लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हो चुकी है, जिसमें अधिकांश पिछड़े, दलित और हिंदू परिवार के युवा शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस प्रकार की मौतों पर जवाब मांगते हुए कहा कि अगर प्रदेश में आप की सरकार बनी तो पुलिस हिरासत में हुई मौतों की जांच सीबीआई से कराई जाएगी। संजय सिंह ने पुलिस हिरासत में हुई मौतों की जांच सीबीआई से कराने की भी मांग की।

संजय सिंह ने यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में कानपुर में पुलिस की पिटाई से जितेंद्र की मौत के अलावा ललितपुर, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, कन्नौज, उन्नाव, मऊ, फिरोजाबाद, सीतापुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, श्रावस्ती और गाजियाबाद की घटनाओं का भी जिक्र किया। कानपुर की घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि कासगंज की घटना समेत अन्य मामलों की भी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। पूर्वांचल एक्स्प्रेस-वे के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री की गाड़ी के पीछे मुख्यमंत्री के पैदल चलने से संबंधित वीडियो पर तंज कसते हुए आप सांसद ने कहा कि राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री से मेरे मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वह देश के सबसे बड़े राज्य के मुखिया है। इसलिए उनको ऐसे हाल में देखना मुझे अच्छा नहीं लगा। प्रधानमंत्री ने उन्हें सड़क पर पैदल छोड़ अपने गाड़ी से चल रहे थे। अब चुनाव बाद क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

योगी की ठोको नीति से हर वर्ग परेशान

यूपी प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने योगी सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था पर आरोप लगाते हुए कहा कि योगी राज में न कानून है न ही संविधान। आए दिन पुलिस की पिटाई से मौत हो रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की पुलिस कासगंज में अल्ताफ, प्रभात मिश्रा, इंद्रकांत त्रिपाठी, मनीष गुप्ता और अरुण की जान ले चुकी है। योगी की ठोंको नीति उत्तर प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रही है। संजय सिंह ने कहा सबका साथ सबका विकास की बात करने वाली योगी सरकार दरअसल सबका विनाश करने में जुटी है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि मैं हैरान हूं कि जिस अजय मिश्रा मंत्री की गाड़ी से पांच किसानों को कुचल कर मार दिया गया। आज तक उससे कोई पूछताछ नहीं हुई। मंत्री की गाड़ी का बीमा भी नवीनीकृत नहीं था।

यूपी से करनी है कमल की सफाई: टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को पूरी तरह से वापस लेने की मांग को लेकर जारी किसानों के धरना प्रदर्शन को आगामी 26 नवंबर को एक साल पूरे हो रही है। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला तेज कर दिया है। हापुड़ में महापंचायत के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि लखनऊ में 22 नवंबर को आयोजित पंचायत को सरकार ने रोकने की कोशिश की तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को उत्तर प्रदेश में उतरने नहीं दिया जाएगा। उनका इशारा दोनों के विमानों को लेकर था। राकेश टिकैत यहीं पर नहीं रुके उन्होंने यहां तक कह दिया कि कमल का फूल एक भूल है और इस बार इसका सफाया करना है। लोगों से कहा कि भाइयों, सूबे से कमल की सफाई करनी है, कमर कस लो।

ऊर्जा मंत्री का फरमान

लापरवाही पर एजेंसी व डिस्काम दोनों की जवाबदेही तय हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कानपुर में केस्को सहित सभी डिस्काम की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि बिलिंग संबंधी शिकायतों का समाधान 24 घंटे के अंदर किया जाए। उन्होंने यूपीपीसीएल अध्यक्ष को निर्देश दिए कि नई बिलिंग एजेंसियों के कामकाज का हर दिन आडिट हो। पूर्व में हुई गलतियों की पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में न हो। उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल हर माह उपलब्ध कराया जाए।

यदि कहीं भी लापरवाही हो रही है तो बिलिंग एजेंसी से लेकर संबंधित डिस्काम के एमडी तक कि जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उपभोक्ताओं को समय से बिल न मिलने के शिकायतों पर ऊर्जा मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। यूपीपीसीएल अध्यक्ष को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को सही व समय पर बिल मिलें। उन्होंने एकमुश्त समाधान योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए सभी उपभोक्ताओं को इससे जोड़ने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने यूपीपीसीएल अध्यक्ष को निर्देशित किया कि लापरवाही पर एजेंसी व डिस्काम दोनों की जवाबदेही तय की जाए।

लखनऊ में बदला मौसम ठंड बढ़ने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम बदलने के साथ ही लखनऊ में वायु गुणवत्ता का भी बुरा हाल चल रहा है। आज राजधानी का एंबिएंट वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वॉलिटी इंडेक्स) 237 रहा। यह इंडेक्स मंगलवार के एक्यूआई से 10 अधिक है। मंगलवार को लखनऊ का एक्यूआई 227 था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार स्थिति काफी खराब है। बढ़े हुए प्रदूषण के कारण सांस के रोगियों को परेशानी हो सकती है। साथ ही संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आने वाले दो दिनों के मौसम साफ रहेगा। मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार गुरुवार को मौसम प्रदेश में मुख्यता साफ रहेगा लेकिन मध्य यूपी में लखनऊ और आसपास के जिलों में बादल बने रहेंगे। इसके बाद आने वाले दो दिनों में प्रदेश के उत्तरी हिस्से में मौसम साफ रहेगा।

फोटो: 4पीएम

मायावती के घर पहुंची राज्यपाल

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की मां रामरती देवी के 13 नवंबर को निधन पर शोक जताने वाली उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनके घर पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लखनऊ में आज बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती के घर का रुख किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में राजभवन के निकलकर माल एवेन्यू में बसपा मुखिया के आवास पर जाकर उनकी मां के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सरकारी नौकरी पर योगी के मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य बोले

प्राइवेट में संभावनाएं ज्यादा, मूंगफली बेचने वाला भी बन जाता है अरबपति

युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र की बजाए निजी क्षेत्र में अपार संभावनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार में श्रम सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक निजी विश्वविद्यालय में रोजगार मेले का शुभारम्भ करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र में मेहनत के हिसाब से आगे बढ़ने का मौका मिलता है। यहां मूंगफली बेचने वाला भी अरबपति बन गया। उन्होंने कहा कि जो कल तक सड़क की जिंदगी जी रहा था, अरबों में खेल रहा है। हालांकि बाद में जब स्वामी प्रसाद मौर्य से पत्रकारों ने पूछा कि कोई ऐसा उदाहरण बताएं जहां मूंगफली बेचने वाला अरबपति बन गया तो मंत्री जी ने कहा गूगल देखिए मालूम हो जाएगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकारी क्षेत्रों में पद बहुत सीमित होते हैं। सरकारी पदों के सापेक्ष पढ़े लिखे नौजवानों की एक लंबी फौज है। चाहकर सभी को सरकारी पदों के सापेक्ष समाजोयित नहीं किया जा सकता लेकिन निजी क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज जो भी प्रतिभाशाली युवक है सरकारी क्षेत्र की बजाए निजी क्षेत्र को प्राथमिकता ज्यादा देता है। क्योंकि निजी क्षेत्र में प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का मौका मिलता है। आप जितनी मेहनत करेंगे आपका परफॉरमेंस जितना बेहतर होगा। उसके मुताबिक गुणात्मक ढंग से आपके वेतन की वृद्धि होती है। वहीं, सरकारी क्षेत्र में एक तो सीमित पद हैं और वहां की बंधी हुई तनख्वाह है। आप कितना भी हार्ड वर्क करोगे मिलेगा आपको उतना ही लेकिन निजी क्षेत्र में आज जितना हार्ड वर्क करोगे आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि तमाम ऐसे लोगो का जीवन परिचय अगर देखे तो कभी सामान्य व्यवसाय से जुड़े थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।